



Mr.



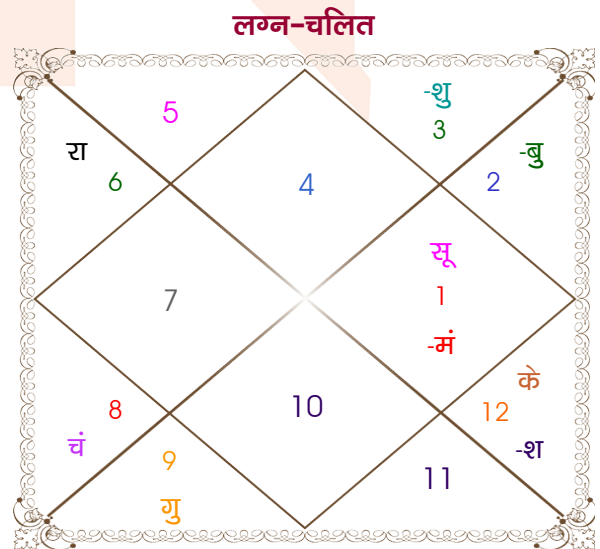
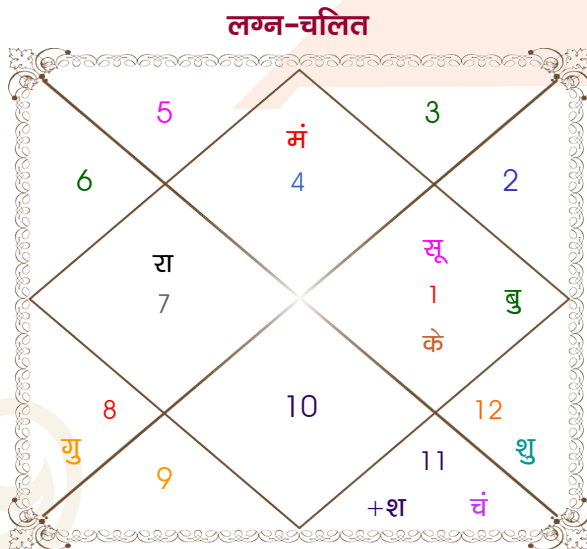
Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121892308

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 25/04/1995 : _____ जन्म तिथि _____ : 05/05/1996
 मंगलवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 12:10:00 : _____ जन्म समय _____ : 12:24:00 घंटे
 घटी 15:58:30 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 16:56:43 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Saharanpur
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 29:58:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:33:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:19:48 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:46:36 : _____ सूर्योदय _____ : 05:33:51
 18:52:18 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:59:35
 23:47:39 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:48:25

विंशोत्तरी राहु 0वर्ष 4मा 19दि शनि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 2वर्ष 3मा 12दि शुक्र	
		14:12:38	कर्क	लग्न	कर्क	26:54:20		
		10:48:35	मेष	सूर्य	मेष	21:15:08		
		19:42:45	कुंभ	चंद्र	वृश्चि	15:03:49		
		24:33:53	कर्क	मंगल	मेष	08:05:26		
		22:46:01	मेष	बुध व	वृष	04:45:34	शुक्र	17/12/2025
शनि	17/09/2014	20:43:29	वृश्चि व	गुरु व	धनु	23:50:52	सूर्य	17/12/2026
बुध	27/05/2017	09:57:22	मीन	शुक्र	मिथु	00:34:31	चन्द्र	17/08/2028
केतु	05/07/2018	26:59:58	कुंभ	शनि	मीन	09:20:28	मंगल	17/10/2029
शुक्र	04/09/2021	11:48:30	तुला व	राहु व	कन्या	23:07:46	राहु	17/10/2032
सूर्य	17/08/2022	11:48:30	मेष व	केतु व	मीन	23:07:46	गुरु	18/06/2035
चन्द्र	17/03/2024	06:38:17	मक	हर्ष	मक	10:46:19	शनि	17/08/2038
मंगल	26/04/2025	01:45:16	मक	नेप व	मक	03:56:13	बुध	17/06/2041
राहु	02/03/2028	06:06:28	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	08:24:05	केतु	17/08/2042
गुरु	13/09/2030							



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमे: वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।